

को नहिं जानत है जगमें कपि संकटमोचन नाम तिहारो ॥ ८ ॥

दोहा

लाल देह लाली लसे अरू धरि लाल लँगूर ।
बज्र देह दानव दलन जय जय जय कपि सूर ॥
सियावर रामचन्द्र पद गहि रहूँ ।
उमावर शम्भुनाथ पद गहि रहूँ ।
महावीर बजरंगी पद गहि रहूँ ।
शरणा गतो हरि ॥

॥ इति गोस्वामि तुलसीदास कृत संकटमोचन हनुमानाष्टक सम्पूर्ण ॥

PORTLAND PANDIT